अध्याय ---14

श्रमिक शिक्षा

14.1 राष्ट्रीय, क्षेत्रीय, इकाई और ग्रामीण स्तरों पर श्रमिक शिक्षा योजना के कार्यान्वयन हेतु सन् 1958 में श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में नागपुर में केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड (सी बी डब्ल्यू ई) की स्थापना की गई ।

- त्रिपक्षीय प्रकृति वाले इस बोर्ड में केन्द्रीय श्रमिक संगठनों, नियोजकों, केन्द्र एवं राज्य सरकारों और शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हैं ।
- देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में श्रमिकों की भागीदारी को प्रभावी बनाने हेतु उनके अधिकारों और दायित्वों के प्र ाति श्रमिक वर्गों में जागरूकता लाने की जरूरत है।
- संगठित, असंगठित, ग्रामीण और अनौपचारिक क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों के लिए बोर्ड विविध प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है ।
- बदले हुए परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखकर कामगारों, श्रमिक संघों और प्र ाबंधनों की व्यापक शैक्षणिक आ वश्यकताओं की पूर्ति के लिए बोर्ड के कार्यक्रम में नए अभिविन्यास, दिशा और आयाम झलकते हैं ।

संरचना

14.2 केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के प्रमुख चेयरमैन हैं । इसका मुख्यालय नागपुर में है । निदेशक बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी हैं, जिनकी सहायतार्थ एक अपर निदेशक, वित्तीय सलाहकार, उप निदेशक आदि हैं । बोर्ड 49 क्षेत्रीय तथा 9 उप क्षेत्रीय निदेशालयों के माध्यम से कार्य करता है । दिल्ली, मुंबई, कोलकाता तथा चेन्नई स्थित चार जोनल निदेशालय संबंधित जोन में स्थित क्षेत्रीय निदेशालयों के कार्यों का अनुवीक्षण करते हैं । प्रत्येक क्षेत्रीय निदेशालय के लिए गठित त्रिपक्षीय क्षेत्रीय सलाहकार समितियाँ योजना की प्रगति की समीक्षा करती हैं और श्रमिक शिक्षा कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उपायों की सिफारिश करती हैं । बोर्ड के शीर्ष स्तर के प्रशिक्षण संस्थान के रूप में सन् 1970 में मुंबई में भारतीय श्रमिक शिक्षा संस्थान की स्थापना की गई ।

बोर्ड के प्रशिक्षण कार्यक्रम

14.3 संगठित क्षेत्र में कार्यरत श्रमिकों के लिए बोर्ड तीन स्तरों के प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है :

- प्रथम स्तर पर शिक्षा अधिकारी के रूप में चयनित उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्र ादान किया जाता है । प्रशिक्षण पूरा होने पर ये शिक्षा अधिकारी अपने तैनाती केन्द्रों से विविध कार्यक्रमों का संचालन करते हैं।
- द्वितीय स्तर पर, श्रमिक संघों द्वारा प्र ाायोजित तथा नियोक्ताओं द्वारा मुक्त किए गए विभिन्न प्रतिष्ठानों/संस्थानों के श्रमिकों को प्रशिक्षित किया जाता है । इन प्रशिक्षित कामगारों को प्रशिक्षक कहा जाता है ।
- तृतीय स्तर पर प्रशिक्षक अपने संस्थानों के अन्य सामान्य श्रमिकों के लिए कक्षाओं का संचालन करते हैं।

राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम

14.4 भारतीय श्रमिक शिक्षा संस्थान, केन्द्रीय श्रमिक संघ संगठनों/परिसंघों तथा स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधियों के लिए विभिन्न विषयों पर कार्यक्रमों का संचालन करने के अलावा, बोर्ड के शिक्षा अधिकारियों को रोजगार पूर्व प्रशिक्षण देने एवं क्षेत्रीय निदेशकों तथा शिक्षा अधिकारियों के लिए पुनराभिविन्यास का भी आयोजन करता है । श्रमिक संघों द्वारा कुछ विशेष मुद्दों को हल करने

के लिए विशिष्ट प्रशिक्षण आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उक्त संस्थान में तीन निम्नांकित प्र कोष्ठ स्थापित किए गए हैं :

1) औद्योगिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण
2) ग्रामीण और असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए शिक्षा तथा;
3) महिला और बाल श्रम।

अप्रैल, 2005 से सितम्बर, 2005 तक की अवधि के दौरान संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का वि वरण तालिका 14.1 में दिया गया है ।

क्षेत्रीय स्तर पर कार्यक्रम

14.5 अप्रैल, 2005 से सितम्बर, 2005 की अवधि के दौरान क्षेत्रीय निदेशालयों द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण, जिनमें इकाई स्तर की कक्षाओं, कमजोर वर्गों तथा असंगठित क्षेत्रों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के श्रमिकों के लिए विशेष कार्यक्रम तालिका 14.2 में दर्शाये गए हैं ।

असंगठित श्रमिकों को संगठित करना तथा ग्रामीण स्वयं सेवकों का प्रशिक्षण

14.6 प्रारम्भ में बोर्ड की गतिविधियाँ संगठित क्षेत्र में केन्द्रित थीं । श्रमिक शिक्षा पुनरीक्षण समिति की सिफारिशों को देखते हुए बोर्ड ने 1977-78 से ग्रामीण क्षेत्र पर बल देना आरम्भ किया है । आरम्भ में ग्रामीण श्रमिक शिक्षा कार्यक्रमों की 7 प्रायोगिक परियोजनाएं शुरू की गई थीं । अब वे नियमित एवं अनवरत कार्यक्रम बन चुके हैं । इस कार्यक्रम के निम्नांकित उद्देश्य हैं :

- श्रमिक एवं नागरिक के रूप में समस्याओं, विशेषाधिकारों और दायित्वों के प्रति विवेचनात्मक जानकारी को बढ़ा वा देना;

- आत्मविश्वास में वृद्धि करना तथा वैज्ञानिक धारणाओं को जगाना;
- श्रमिकों को उनके संगठनों के विकास के लिए शिक्षित करना ताकि उसके माध्यम से वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सामाजिक-आर्थिक कार्यकलापों तथा दायित्वों की पूर्ति कर सकें और ग्रामीण समाज के लोकतांत्रिक धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक ढाँचे को मजबूत कर सकें;

- परिवार कल्याण योजना तथा सामाजिक बुराइयों को दूर करने के प्रति प्रेरित करना ।

ग्रामीण जागरूकता शिविरों के संचालन में शिक्षा अधिकारियों की मदद करने हेतु ग्रामीण स्वयं से वकों को क्षेत्रीय निदेशालयों पर एक सप्ताह का अभिविन्यास/पुनश्चर्या प्रशिक्षण दिया जाता है । इन शिविरों में भूमिहीन मजदूर, जनजातीय मजदूर, ग्रामीण दस्तकार, वनकर्मी और शिक्षित बेरोजगार भाग लेते हैं ।

14.7 बोर्ड द्वारा हथकरघा, पावरलूम, खादी और ग्रामोद्योग, औद्योगिक सम्पदाओं, लघु इकाइयों, हस्तकला, रेशम उद्योग, चटाई उद्योग, बीड़ी उद्योग में कार्यरत श्रमिकों तथा दुर्बल वर्गों के श्रमिकों - जैसे महिला मजदूरों, अपंग मजदूरों, रिक्शा चालकों, निर्माण कार्य में लगे मजदूरों, नागरिक और सफाई श्रमिकों की कार्यात्मक और शैक्षणिक जरूरतों पर आधारित बने-बनाए कार्यक्रम, 4 दिवसीय शिविर, विशेष कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है ।

निष्पादन

14.8 अप्रैल, 2005 से सितम्बर, 2005 के दौरान बोर्ड ने विभिन्न अवधियों के 3858 कार्यक्रमों को आयोजित किया और विभिन्न क्षेत्रों के 1,28,568 श्रमिकों को प्रशिक्षित किया । वि वस्तृत विवरण तालिका 15.3 में दर्शाया गया है।

प्रमुख उपलब्धियाँ
संचेतना शिविर

14.9 ग्रामीण शिविरों पर समिति की सिफारिशों पर बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2003-2004 में 04 दिवसीय संचेतना शिविरों को आरम्भ किया। अप्रैल, 2005 से सितम्बर, 2005 के दौरान आयोजित 237 संचेतना शिविरों में कुल 9300 श्रमिक (असंगठित, कमजोर एवं ग्रामीण सेक्टर सहित) लाभान्वित हुए ।

श्रम कल्याण एवं विकास कार्यक्रम

14.10 श्रम मंत्रालय ने सरकार की विभिन्न श्रम कल्याण योजनाओं के बारे में ग्रामीण/असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों में उनके अपने सामाजिक-आर्थिक विकास हेतु जागरूकता निर्माण करने का कार्य केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड को सौंपा है ।

तदनुसार बोर्ड ने वर्ष 2003-2004 से अपने 49 क्षेत्रीय निदेशालयों द्वारा इन योजनाओं को कार्यान्वित करने के लिए ग्रामीण/असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए दो दिवसीय 'श्रम कल्याण एवं विकास' नामक एक नये कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई और उसे आरंभ भी किया है । अप्रैल, 2005 से सितम्बर, 2005 तक की अवधि के दौरान बोर्ड ने श्रम कल्याण एवं विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 18,892 ग्रामीण एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए 482 जागरूकता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन किया। इसके अलावा, प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभागियों में वितरण हेतु पुस्तिकाओं एवं पर्ची के रूप में अध्ययन सामग्री रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान तैयार की जा रही थी ।

विशेष स्वयंकोष निर्माण कार्यक्रम

14.11 कार्यसंस्कृति में सुधार लाने, व्यक्तिगत संबंधों के विकास इत्यादि को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने पहली बार मध्यम/वरिष्ठ स्तरीय कार्यपालकों तथा श्रम संघ नेताओं के लिए विशेष स्वयंकोष निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत एक अनुपम प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ किया है । अप्रैल, 2005 से सितम्बर, 2005 के दौरान आयोजित एक विशेष स्वयंकोष निर्माण कार्यक्रम से 132 प्रतिभागी लाभान्वित हुए ।

साहित्य और दृश्य-श्रव्य साधन

14.12 पाठ्य एवं सचित्र पुस्तिकाओं के रूप में सरल साहित्य का भारतीय भाषाओं में प्रकाशन किया गया है । इन पुस्तिकाओं को 5/- रु. की परिदानी कीमत पर श्रमिकों के लिए उपलब्ध कराया जाता है । इन पुस्तिकाओं का पुनर्मुद्रण एवं संशोधित संस्करण तैयार किया जा रहा है । बोर्ड ने अप्रैल, 2005 से सितम्बर, 2005 के दौरान 49 विषयों पर हिन्दी, तेलगु और उर्दू भाषा में पाठ्य पुस्तिकाएं प्रकाशित की हैं। प्रतिभागियों की कक्षा में अभिरुचि तथा अध्ययन प्रक्रिया को अधिक अभिरुचिपूर्ण एवं महत्वपूर्ण बनाए रखने के लिए दृश्य-श्रव्य साधनों को पोस्टर्स, फ्लिप बुक, सचित्र पुस्तिकाएँ, फ्लिप चार्ट्स इत्यादि के रूप में भी प्रकाशित किया गया है । सामाजिक सुरक्षा पहलुओं पर दो फ्लिप पुस्तकों का अंतिम रूप दिया गया ।

पत्रिका

14.13 अप्रैल, 2005 से सितम्बर, 2005 तक की अवधि के दौरान श्रमिक शिक्षा त्रैमासिक पत्रिका के 2 अंक, जून, 2005, सितम्बर, 2005 का प्रकाशन किया ।

अध्ययन साहित्य

14.14 भारतीय श्रमिक शिक्षा संस्थान तथा क्षेत्रीय निदेशालयों में अध्ययनपूरक सामग्री के रूप में बोर्ड ने अध्ययन साहित्य के रूप में परिसंवाद लेख, विषय विशेष अध्ययन, चर्चा बिंदु आदि तैयार किए हैं ।

केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड न्यूज एवं समाचार

14.15 अप्रैल, 2005 से सितम्बर, 2005 तक अंग्रेजी में "केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड न्यूज" तथा हिन्दी में "समाचार" के मासिक अंकों का प्रकाशन किया गया ।

सहायता अनुदान

14.16 बोर्ड, पंजीकृत श्रमिक संघों तथा अन्य संस्थानों को उनके अपने श्रमिक शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन करने के लिए सहायता अनुदान प्रदान करता है । बोर्ड, केन्द्रीय श्रमिक संघ संगठनों तथा राष्ट्रीय परिसंघों को राष्ट्रीय स्तर के पाठ्यक्रमों का संचालन करने के लिए भी सहायता अनुदान प्रदान करता है ।

14.17 बोर्ड ने अप्रैल, 2005 से अक्तूबर, 2005 तक की अवधि के दौरान 41 श्रमिक संघों/संस्थानों को 3,05,930/- रुपये की राशि

सहायता अनुदान के रूप में प्रदान की जिससे 4247 श्रमिकों के लिए 106 कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

हिन्दी का प्रयोग

14.18 अप्रैल, 2005 से अक्तूबर, 2005 के दौरान बोर्ड के 06 कर्मचारियों को राजभाषा हिन्दी में टंकण कार्य करने के लिए प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया । बोर्ड की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तीन बैठकें हुईं और मुख्यालय, भारतीय श्रमिक शिक्षा संस्थान तथा सभी आँचलिक एवं क्षेत्रीय निदेशालयों में हिन्दी के प्रयोग में की गई प्रगति की समीक्षा की गई ।

14.19 रिपोर्टाधीन अवधि के दौरान दो राजभाषा हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिनमें 17 आशुलिपिक तथा समूह "ग" के 21 कर्मचारियों ने भाग लिया । कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को दैनंदिन सरकारी कामकाज राजभाषा हिन्दी में करने का प्रशिक्षण दिया गया ।

बोर्ड के अधिकारियों तथा कर्मचारी सदस्यों के लिए विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन करके 15 सितम्बर, 2005 को हिन्दी दिवस समारोह तथा 1 से 15 सितम्बर, 2005 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया । कुल 12 प्रतियोगियों को प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पुरस्कार वितरित किए गए । वार्षिक हिन्दी पत्रिका "श्रम किरण-2005" का प्रथम संस्करण प्रकाशनाधीन है, जिसमें बोर्ड के कर्मचारियों द्वारा कार्यशाला में लिखित लेख एवं कविताएं शामिल की गई हैं ।

विभिन्न दिवसों का आयोजन

14.20 केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड, मुख्यालय, भारतीय श्रमिक शिक्षा संस्थान, मुंबई तथा बोर्ड के सभी जोनल एवं क्षेत्रीय कार्यालयों में निम्नलिखित दिवस मनाए गए । इस अवसर पर परिसंवाद, संगोष्ठी, विशेष व्याख्यान, फिल्म प्रदर्शनी, प्रतियोगिताएँ इत्यादि का आयोजन किया गया । प्रशिक्षणार्थियों तथा कर्मचारी सदस्यों को आवश्यकतानुसार शपथ दिलाई गयी :

- आतंकवाद - विरोधी दिवस
- विश्व जनसंख्या दिवस
- स्वतंत्रता दिवस
- सद्‌भावना दिवस
- श्रमिक शिक्षा दिवस
- हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा
- कौमी एकता सप्ताह

स्थापना दिवस समारोह

14.21 दिनांक 16 सितम्बर, 2005 को श्रमिक शिक्षा केन्द्रीय बोर्ड के मुख्यालय, नागपुर, श्रमिक शिक्षा के भारतीय संस्थान तथा 49 क्षेत्रीय निदेशालयों ने केन्द्रीय बोर्ड के 48वें स्थापना दिवस का श्रमिक शिक्षण दिवस के रूप में मनाया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम/समारोह का आयोजन किया गया ।

14.22 आई.आई.डब्ल्यू.ई. के मुख्यालय तथा सभी क्षेत्रीय निदेशालयों में आयोजित समारोह में केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के माननीय अध्यक्ष का संदेश पढ़ा गया । इस अवसर पर आयोजित समारोह में विभिन्न व्यवसाय के विशिष्ट व्यक्तियों ने उद्‌घाटन/विदाई-भाषण दिए ।

14.23 दिल्ली में आयोजित श्रमिक शिक्षण दिवस समारोह का उद्‌घाटन श्री जे.पी. सिंह, अपर सचिव, श्रम और रोजगार मंत्रालय ने किया।

प्रभाव संबंधी अध्ययन रिपोर्ट जारी करना

14.24 बोर्ड ने पूर्व में अपने कार्यक्रमों के विभिन्न मूल्यांकन कार्यान्वित किए थे परन्तु वे मात्र ट्रेड यूनियन, प्रबंधन, सरकारी और प्रतिभागियों से प्राप्त सूचना/राय पर आधारित थे । तथापि, पहली बार, भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कोलकाता के सहयोग से अम्बिका मल्टीफाइबर्स कम्पनी लि. बेलूर, हावड़ा में श्रमिकों की दक्षता में वृद्धि, अनुपस्थिति में कमी, उत्पादकता में वृद्धि इत्यादि को ध्यान में रखते हुए श्रमिक शिक्षण कार्यक्रमों के प्रभाव को जानने के लिए एक वैज्ञानिक अध्ययन करवाया गया था । अध्ययन के निष्कर्षों से प्रकाश में आया है कि अ

प्रशिक्षित कर्मचारियों की तुलना में प्रशिक्षित कर्मचारियों में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है ।

14.25 बोर्ड ने जबलपुर (मध्य प्रदेश) में असंगठित/ग्रामीण सेक्टर में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में प्रभाव की रिपोर्ट जारी की है । उपर्युक्त दोनों प्रभाव रिपोर्टों का विमोचन श्री ए.डी. पाटिल, अध्यक्ष, केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड ने 23 जून, 2005 को तिरूपति में किया गया ।

प्रभाव

14.26 बोर्ड द्वारा संचालित विविध कार्यक्रमों के प्रभाव के बारे में प्रतिभागियों एवं प्रबंधन से फीडबैक लिया गया है । फीडबैक से पता चला है कि प्रतिभागियों ने अनुशासन, उत्पादकता, उत्पादन लागत में कमी, वैश्विक प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए गुणवत्ता में सुधार, विविध औद्योगिक समस्याओं तथा आर्थिक परिदृश्य में परिवर्तन आदि के महत्व को महसूस किया है ।

14.27 इन कार्यक्रमों से उनकी धारणा में परिवर्तन आया है और उन्होंने संगठन के हित को अपना हित समझा है । श्रमिक संघों में जनतांत्रिक प्रक्रिया और व्यवहारों का सुदृढ़ीकरण हुआ है और श्रमिकों ने समस्याओं पर विचार-विमर्श हेतु सामान्य मंच के निर्माण के लिए प्रबंधन से संपर्क किया है ।

14.28 प्रतिभागियों ने धूम्रपान, तंबाकू सेवन, ऋण लेने जैसी सामाजिक बुराइयों का भी परित्याग किया और बचत करना आरंभ किया । ग्रामीण शिविरों में प्रतिभागियों ने ग्रामीण श्रमिक संगठन, अल्प बचतों, स्वास्थ्य, सफाई, साक्षरता आदि के महत्व को भी महसूस किया और अनभिज्ञ लोगों में जागरण का संदेश देने का दायित्व लिया ।

राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षण पुरस्कार योजना

14.29 रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान उत्कृष्ट निष्पादन के लिए राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षण पुरस्कार श्री जे.पी. सिंह, अपर सचिव (श्रम और रोजगार), श्रम और रोजगार मंत्रालय ने 16 सितम्बर, 2005 को श्रमिक शिक्षण दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित समारोह में वर्ष 2004-2005 के लिए बोर्ड के 15 कार्मिकों को प्रदान किया ।

केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा गुवाहाटी में नया जोनल निदेशालय खोलना

14.30 जोनल निदेशालय, केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड, कोलकाता पूर्व और उत्तर-पूर्व के अन्दर आने वाले सभी क्षेत्रीय निदेशालयों के प्रशिक्षण कार्यकलापों की मानिटरिंग और पर्यावेक्षण कर रहा था । तथापि, इन क्षेत्रीय निदेशालयों के माध्यम से श्रमिक शिक्षण योजना के विस्तार के साथ तथा उत्तर-पूर्व क्षेत्र के विकास को और आगे बढ़ाने के लिए उत्तर-पूर्व क्षेत्र में प्रभावी रूप से श्रमिक शिक्षण कार्यकलापों की मानिटरिंग तथा पर्यवेक्षण के लिए एक अलग जोनल निदेशालय की आवश्यकता महसूस की गई ।

14.31 तदनुसार, गुवाहाटी में नए जोनल निदेशालय खोलने के प्रस्ताव को भारत सरकार ने जनवरी, 2005 में अनुमोदन प्रदान कर दिया था तथा फरवरी, 2005 में जोनल निदेशालय ने कार्य करना शुरू कर दिया था । जोनल निदेशालय (उत्तर/पूर्व जोन) के लिए वर्ष 2005-2006 में 880 कार्यक्रम संचालित करने का लक्ष्य दिया गया था। उत्तर-पूर्व जोन को दिए गए कुल लक्ष्य में से अप्रैल, 2005 से सितम्बर, 2005 के दौरान 9344 श्रमिकों के लिए 257 कार्यक्रम आयोजित किए गए ।

इन्डस बाल श्रम प्रोजेक्ट

14.32 2004-2005के दौरान (30.10.2005 से), अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन-इन्डस बाल श्रम पर केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड प्रोजेक्ट शुरू किया गया था जिसमें मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश राज्यों के एन. सी. एल. पी. जिलों में बाल श्रम के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्य योजना तैयार की गई थी। 1995 में इस अपने कुछ कार्यक्रमों में केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड ने बाल श्रम संबंधी विषय जोड़े थे। विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रतिभागियों की प्रकार और स्तर को ध्यान में रखते हुए चलाए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में इस प्रोजेक्ट के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए बाल श्रम से

संबंधित और विषय जोड़े जायेंगे । इसके 49 क्षेत्रीय निदेशालयों के माध्यम से जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर क्रियाकलापों में तीव्रता लाई जाएगी । इसके अलावा केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड बातचीत को सुविधाजनक बनाएगा तथा प्रोजेक्ट राज्यों के बीच अनुभव का आदान-प्रदान करेगा, प्रोजेक्ट स्टाफ को प्रशिक्षण देगा तथा बाल श्रम के उन्मूलन संबंधी सफलताओं का प्रचार प्रसार करेगा ।

14.33 इसके अतिरिक्त, भारत सरकार, श्रम और रोजगार मंत्रालय सी.बी.डब्ल्यू.ई. को राष्ट्रीय स्रोत कक्ष के रूप में बनाया जाएगा जो दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश राज्यों में इन्डस बाल श्रम प्रोजेक्ट के तहत एन सी एल पी राज्यों में बाल श्रम के संबंध में राज्य स्रोत एककों के कार्यकलापों की मानिटरिंग और समन्वय करेगा ।

14.34 कार्य योजना कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में वर्ष 2004-2005 तथा 2005-2006 के दौरान निम्नलिखित कार्यकलाप आयोजित किए गए (सितम्बर, 2005 तक) :

(1) 08-09 नवम्बर, 2004 को डेटा प्रविष्टि ऑपरेटर के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।

(2) 30 नवम्बर, 2004 से 3 दिसम्बर, 2004 तक 4 राज्य स्रोत एकक के लेखापालों तथा राष्ट्रीय बाल श्रमिक प्रोजेक्ट सोसाइटी के 20 प्रोजेक्ट राज्यों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम ।

(3) 16 एवं 17 फरवरी, 2005 तथा 14 से 18 फरवरी, 2005 को अनुभव और वैचारिकता के आदान-प्रदान के लिए इन्डस प्रोजेक्ट राज्यों के कार्यान्वयन पार्टनरों के लिए दो कार्यशालाएं ।

(4) केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड मुख्यालय, नागपुर में 3 व 4 अगस्त, 2005 को इन्डस राज्यों के लिए प्रोजेक्ट निदेशकों तथा स्टाफ के लिए अभिविन्यास कार्यशाला ।

(5) केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड मुख्यालय नागपुर में 1 से 5 अगस्त, 2005 तक बाल श्रमिक शैक्षिक सामग्री के विकास के लिए लेखकों की कार्यशाला । लेखक-कार्यशाला में तैयार की गई सामग्री का पुनरीक्षण किया जा रहा है ।

(6) बोर्ड जनवरी और फरवरी, 2006 में ट्रेनर कार्यक्रमों के 2 प्रशिक्षण सत्र चलाएगा जिसमें एक इन्डस प्रोजेक्ट राज्यों के प्रभारी शिक्षा अधिकारियों के लिए होगा और दूसरा इन्डस राज्यों के अलावा एन सी एल पी राज्यों के शिक्षा अधिकारियों के लिए होगा ।

श्रम जगत में एच.आई.वी./एड्स रोकथाम पर अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन-केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड की परियोजना-एक त्रिपक्षीय प्रतिक्रिया

14.35 रिपोर्टाधीन अवधि अप्रैल, 2005 से सितम्बर, 2005 के दौरान "श्रम जगत में एच.आई.वी./एड्स रोकथाम-एक त्रिपक्षीय प्रतिक्रिया" पर परियोजना के अंतर्गत एच.आई.वी./एड्स रोकथाम पर अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के सहयोग से 47 जोनल/क्षेत्रीय निदेशकों के लिए 2 अभिविन्यास कार्यशालाएं तथा 90 शिक्षा अधिकारियों के लिए 4 पुनश्चर्या पाठ्यक्रम इस उद्देश्य से चलाए गए कि इस भयावह बीमारी के बारे में कामगारों को सचेत किया जाए और इस विषय संबंधी अपेक्षित जानकार दी गयी ।

14.36 अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की सहायता से प्रोजेक्ट के अन्तर्गत केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा एच.आई.वी./एड्स पर सूचना, शिक्षण और संचार सामग्री लीफलेट, फ्लिप बुक, पोस्टर तथा बुकलेट के रूप में प्रकाशित की गईं जिन्हें श्री जे.पी. सिंह, अपर सचिव, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 16-17 मई, 2005 को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में विमोचन किया ।

तालिका 14.1 अप्रैल-सितम्बर, 2004 के दौरान आयोजित कार्यक्रमों का ब्योरा		
कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
पश्चिम रेलवे कर्मचारी संघ, इंटक, सी.टी.यू.ओ., सी.आर.एम.एस., एटक तथा बी.एम.एस. के कार्यकत्ताओं के लिए उच्च प्रशिक्षण कार्यक्रम	10	279
प्रबंधन और श्रमिक संघ पदाधिकारियों के लिए स्वयंकोष निर्माण कार्यक्रम (तीन दिवसीय)	1	18
बोर्ड के समूह 'ग' एवं 'घ' कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	3	85
केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड के शिक्षा अधिकारियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	8	170
कुल	22	552

तालिका 14.2

श्रमिक शिक्षा योजना के अंतर्गत पाठ्यक्रम

क्र.सं.	राष्ट्रीय स्तर	क्षेत्रीय स्तर	इकाई स्तर	विशिष्ट श्रेणियाँ
1.	शिक्षा अधिकारी प्रशिक्षण एवं पुनः प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	इकाई स्तर की कक्षाएं	कार्यात्मक प्रौढ़ साक्षरता कक्षाएं
2.	समूह 'ग' व 'घ' के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम	आवश्यकता पर आधारित विशेष कार्यक्रम	असंगठित श्रमिकों के लिए संचेतना शिविर (4 दिवसीय)
3.	श्रमिक संघ कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रम (3 दिवसीय)	संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रम (2 दिवसीय)	कमजोर वर्ग के श्रमिकों के लिए संचेतना शिविर (4 दिवसीय)
4.	प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी-भारत सरकार, श्रम मंत्रालय द्वारा प्रायोजित	स्वयंकोष निर्माण के अंतर्गत कार्यक्रम	प्रशिक्षित श्रमिकों के लिए संयंत्र स्तर पर कार्यक्रम (1 दिवसीय)	ग्रामीण श्रमिकों के लिए संचेतना शिविर (4 दिवसीय)
5.	नेतृत्व विकास एवं सौहार्दपूर्ण औद्योगिक संबंध	आवश्यकता पर आधारित परिसंवाद (2 दिवसीय)		ग्रामीण जागरूकता शिविर (2 दिवसीय)
6.	बी.आर.सी. के कैंटीन कर्मचारियों के लिए अच्छी कारीगरी	श्रमिकों एवं उनके जीवनसाथियों के लिए जीवन की गुणवत्ता (4/2 दिवसीय)		निम्न हेतु विशेष परिसंवाद (2 दिवसीय) 1) असंगठित श्रमिक 2) महिला श्रमिक 3) अ.जा./अ.ज.जा. श्रमिक 4) बाल श्रमिक/बाल श्रमिकों के अभिभावक 5) श्रम कल्याण एवं विकास
7.	क्षमता संवर्धन			
8.	बागान श्रमिक			
9.	उत्कृष्ट निष्पादन एवं प्रतियोगी नेतृत्व प्राप्त करना			
10.	औद्योगिक संबंध एवं श्रमिक संघ आंदोलन के क्षेत्र में नए परिवर्तन एवं चुनौतियाँ			
11.	सशक्तीकरण एवं नेतृत्व-श्रव्य-दृश्य साधनों का प्रभावात्मक उपयोग			
12.	औद्योगिक संबंधों को प्रभावशाली बनाना			
13.	श्रमिक संबंध			
14.	औद्योगिक संबंधों में			

	उन्नत परिदृश्य			

तालिका 14.3

वर्ष 2005-2006 की अवधि के दौरान केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड की गतिविधियाँ

गतिविधियां	लक्ष्य 2005-06	1.4.2005 से 30.9.2005 तक की उपलब्धियाँ	
		कार्यक्रम	प्रतिभागी
क्षेत्रीय स्तर			
प्रशिक्षिकों का प्रशिक्षण (डेढ़ माह)	13	3	50
व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम (21 दिवसीय)	87	50	1,215
प्रशिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (एक सप्ताह)	18	5	73
भागीदारी प्रबंधन पर संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रम (3 दिवसीय)	116	46	1,035
स्वयंकोष निर्माण कार्यक्रम (3 दिवसीय)	39	23	430
स्वयंकोष निर्माण कार्यक्रम (2 दिवसीय)	582	387	7,539
स्वयंकोष निर्माण कार्यक्रम (1 दिवसीय)	123	136	2,615
विशेष स्वयंकोष निर्माण कार्यक्रम	10	7	132
आवश्यकता पर आधारित परिसंवाद (2 दिवसीय)	488	244	5,976
श्रमिकों एवं उनके जीवनसाथियों के लिए जीवन की गुणवत्ता (4 दिवसीय)	90	11	376
श्रमिकों एवं उनके जीवनसाथियों के लिए जीवन की गुणवत्ता (2 दिवसीय)	196	25	878
संयत्र स्तर पर परिसंवाद (एक दिवसीय)	90	33	858
इकाई स्तर			
अंशकालीन इकाई स्तर की कक्षाएं (3माह/3सप्ताह/1माह/डेढ़ माह)	263	89	2,163
उद्यम स्तर पर संयुक्त परिषदों के नए सदस्यों के लिए संयुक्त शैक्षिक कार्यक्रम (2 दिवसीय)	464	255	6,083
आवश्यकता पर आधारित विशेष कार्यक्रम (1 सप्ताह)	22	4	100
कार्यात्मक प्रौढ़ साक्षरता कक्षाएं	122	4	85

असंगठित क्षेत्र			
असंगठित श्रमिकों/दुर्बल वर्ग के श्रमिकों के लिए संचेतना शिविर (4 दिवसीय)	553	192	7,546
अंसगठित क्षेत्र के लिए विशेष परिसंवाद (2 दिवसीय)	475	291	11,358
महिला श्रमिकों के लिए विशेष परिसंवाद (2 दिवसीय)	504	302	11,786
बाल श्रमिकों के अभिभावकों/बाल श्रमिकों के लिए विशेष परिसंवाद (2 दिवसीय)	217	76	2,992
बाल श्रमिकों के लिए विशेष संवाद (2 दिवसीय)	172	53	2,072
अ.जा./अ.ज.जा. के श्रमिकों के लिए विशेष परिसंवाद (2 दिवसीय)	441	219	8,579
स्टेशन क्वैरी श्रमिकों के लिए विशेष संवाद (2 दिवसीय)	10	5	200
श्रम कल्याण एवं विकास कार्यक्रम (2 दिवसीय)	853	482	18,892
श्रमिकों एवं उनके जीवनसाथियों के लिए जीवन की गुणवत्ता (4 दिवसीय)	115	42	1,640
श्रमिकों एवं उनके जीवनसाथियों के लिए जीवन की गुणवत्ता (2 दिवसीय)	220	92	3,478
ग्रामीण क्षेत्र			
ग्रामीण जागरूकता शिविर (2 दिवसीय)	2,185	737	28,663
ग्रामीण श्रमिकों के लिए संचेतना शिविर (4 दिवसीय)	262	45	1,754
कुल	8,730	3,858	1,28,568

****